सूरज

रोज सुबह को सूरज आकर,
सबको सदा जगाता है।
शाम हुई लाली फैलाकर,
अपने घर को जाता है।
दिनभर खुद को जला-जलाकर,
यह प्रकाश फैलाता है।
उसका जीना ही जीना है,
जो काम सभी के आता है।

तोता हूँ मैं

तोता हूँ मैं तोता हूँ,
हरे रंगों का होता हूँ।
चोंच मेरी लाल है,
सुंदर-सुंदर चाल है।
बागों में मैं जाता हूँ,
मीठे फल मैं खाता हूँ।
देख-देख माली के बेटे,
पत्तों में छुप जाता हूँ।

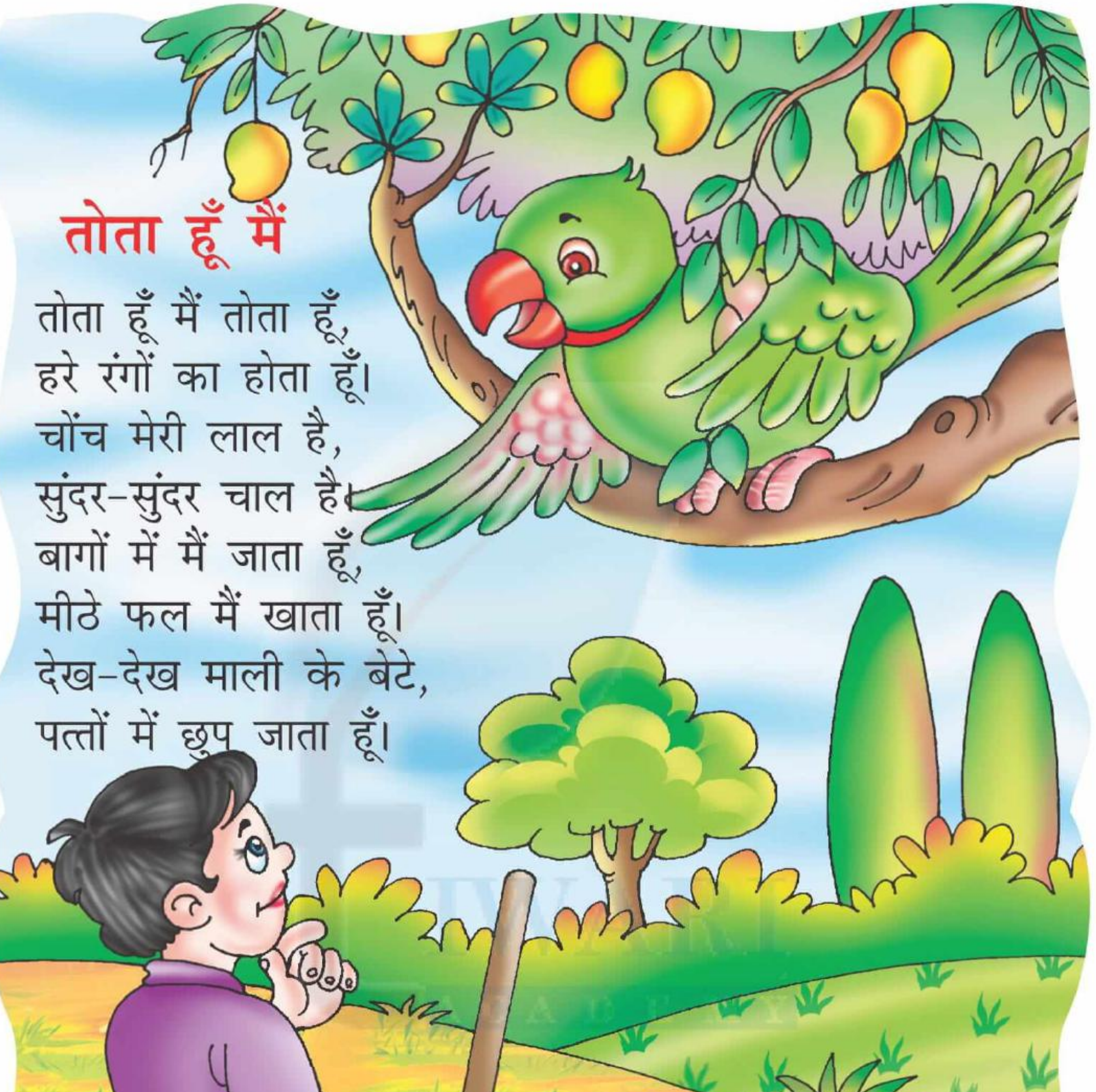

हाथी आया

हाथी आया, हाथी आया,
साथ में नन्हा साथी लाया।
छोटी-छोटी आँखों वाला,
पंखे जैसे कानों वाला।
सूँड़ से पानी पीता है,
शौक से गन्ना खाता है।
जंगल में यह रहता है,
सबका मन बहलाता है।

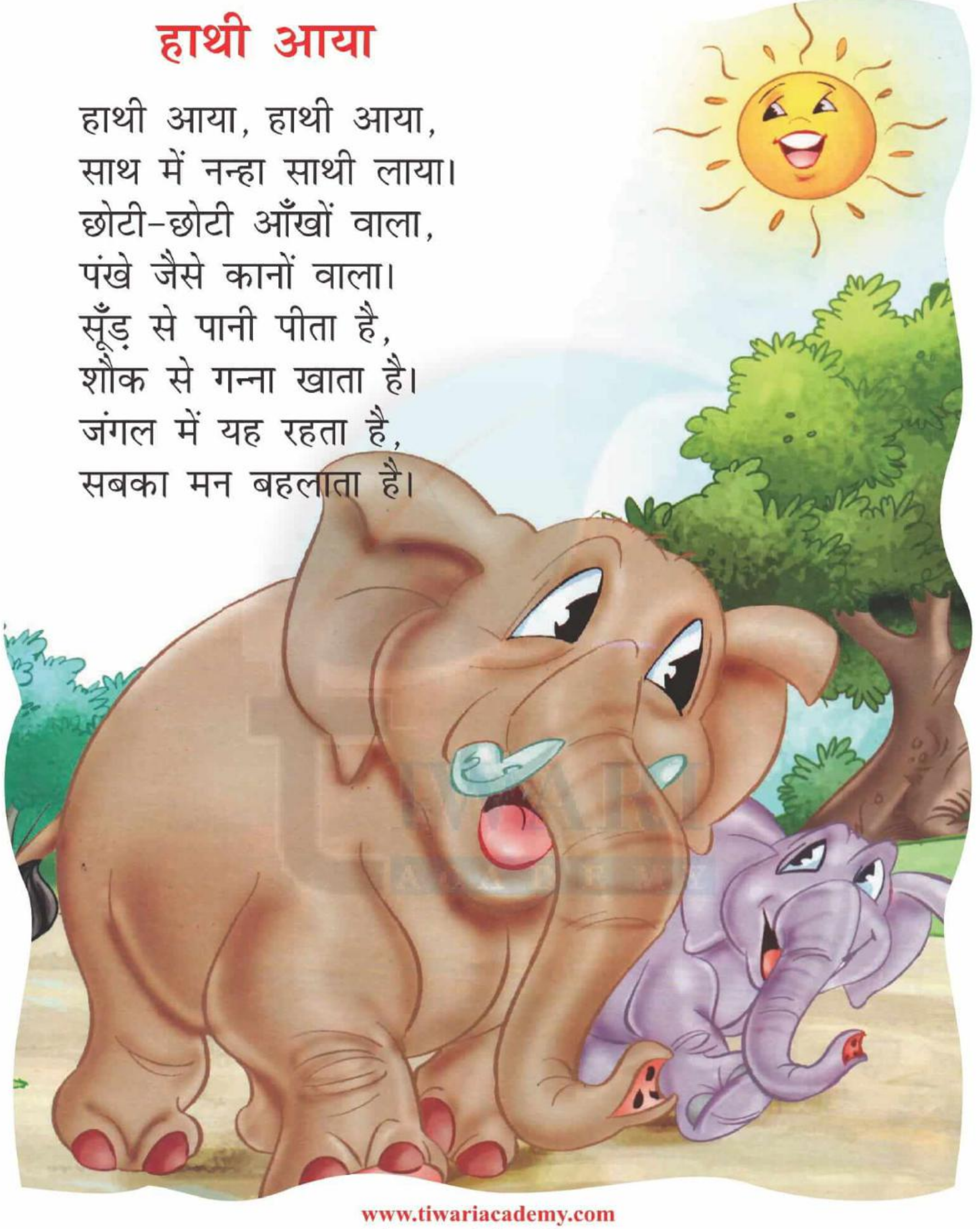

मेरी बिल्ली

मेरी बिल्ली काली-पीली,
जल में भीगी हो गई गीली।
गीली होकर लगी चीखने,
जोर-जोर से लगी छींकने।
मैंने बोला-कुछ तो सीख,
मुँह पर हाथ रखकर छींक।

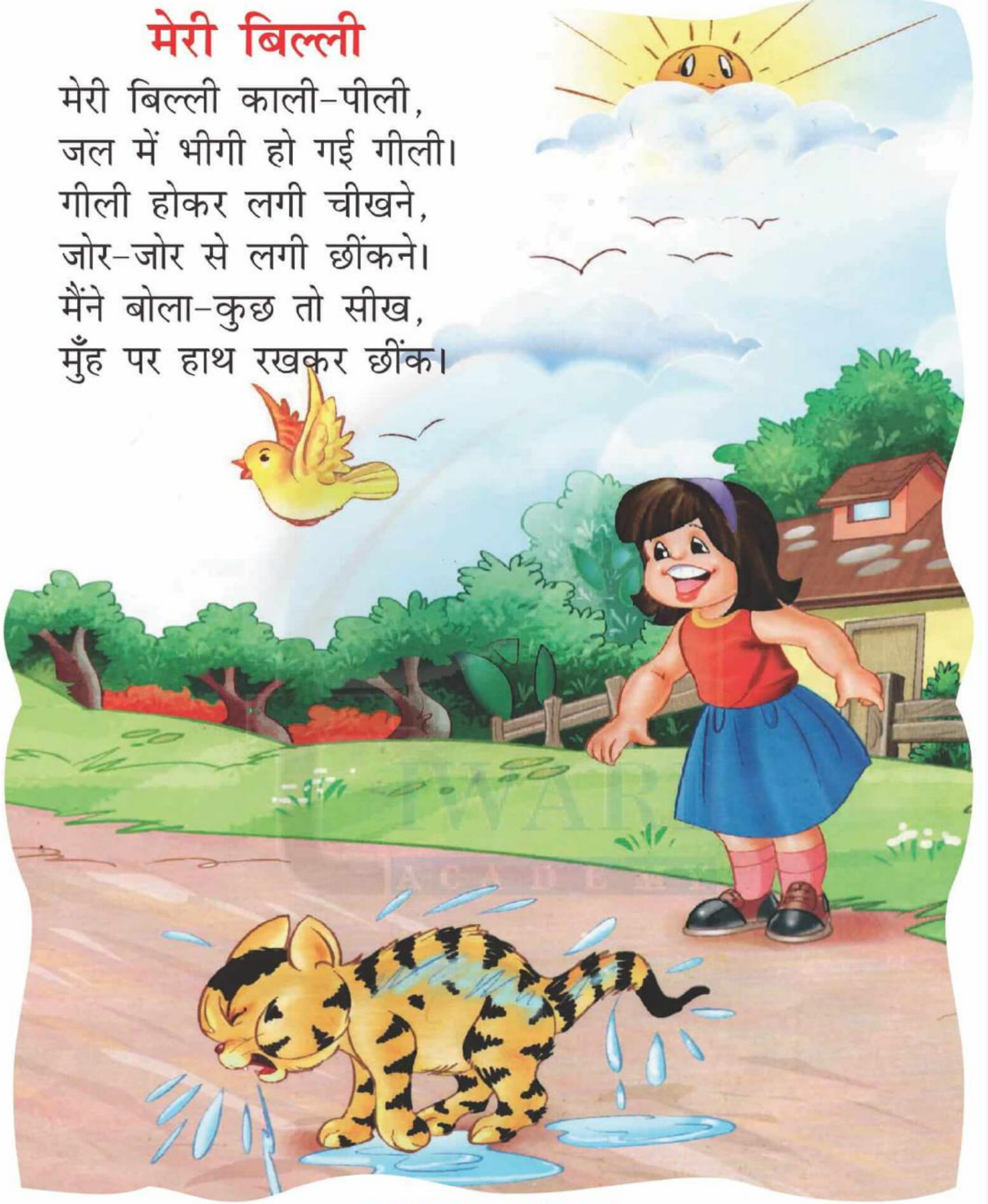

चुहिया जी ने चश्मा पाया

चुहिया जी ने चश्मा पाया,
समझ उसे अँखियों का गहना।
ऊँचा-नीचा दिया दिखायी,
बीच सड़क पर ठोकर खायी।
धम से गिरी घुटना भी टूटा,
बीच सड़क में चश्मा टूटा।

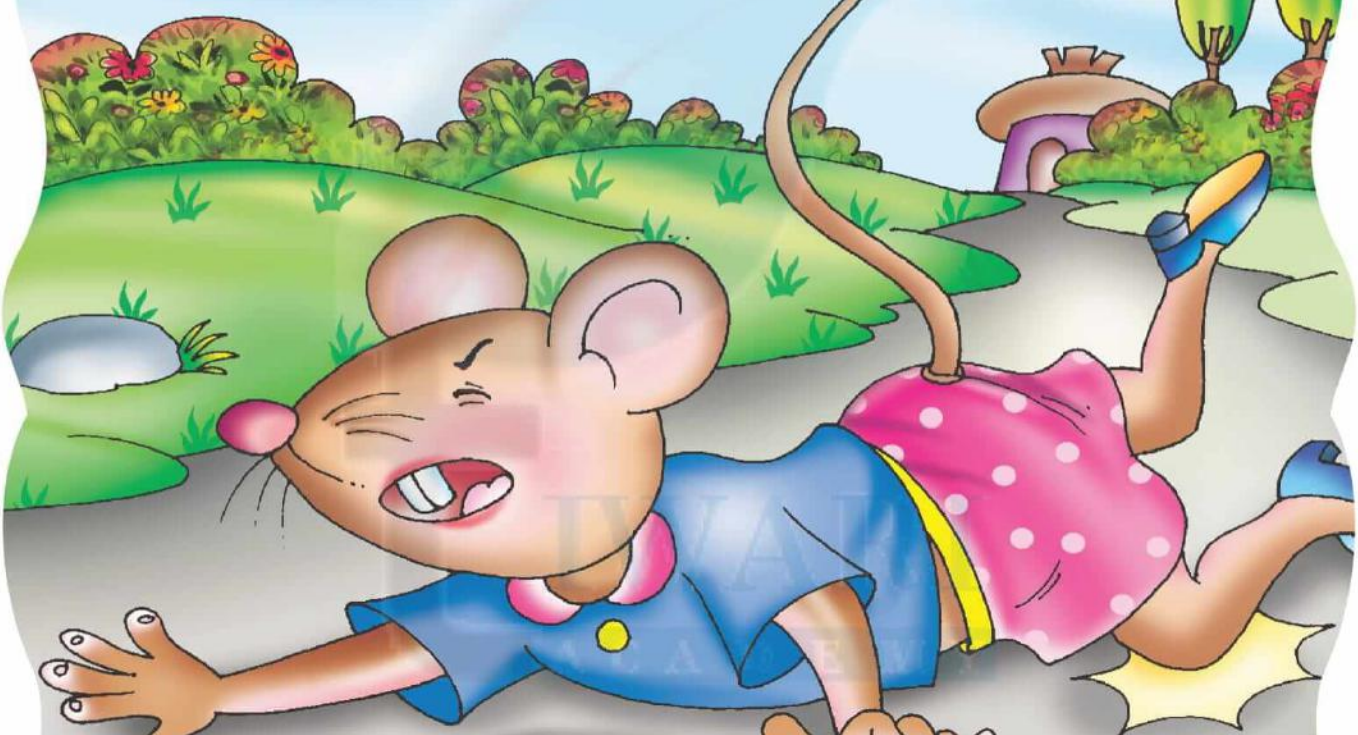

छाता

नाम है जिसका छाता,
वो राहत का दाता।
वर्षा से और धूप से,
सबकी जान बचाता।
बच्चे, बुढ़े और युवा,
सबके काम है आता।
इसीलिए तो बच्चों छाता,
सबके मन को भाता

घड़ी

गोल–गोल चलती रहती हूँ,
ना थकती हूँ ना रूकती हूँ।
टिक–टिक टिक–टिक करते–करते,
हरपल तुमसे यह कहती हूँ।
बच्चों करो समय पर काम,
शीत रहे या तपता घाम।
चलना और बस चलते रहना,
यही तो जीवन का नाम।

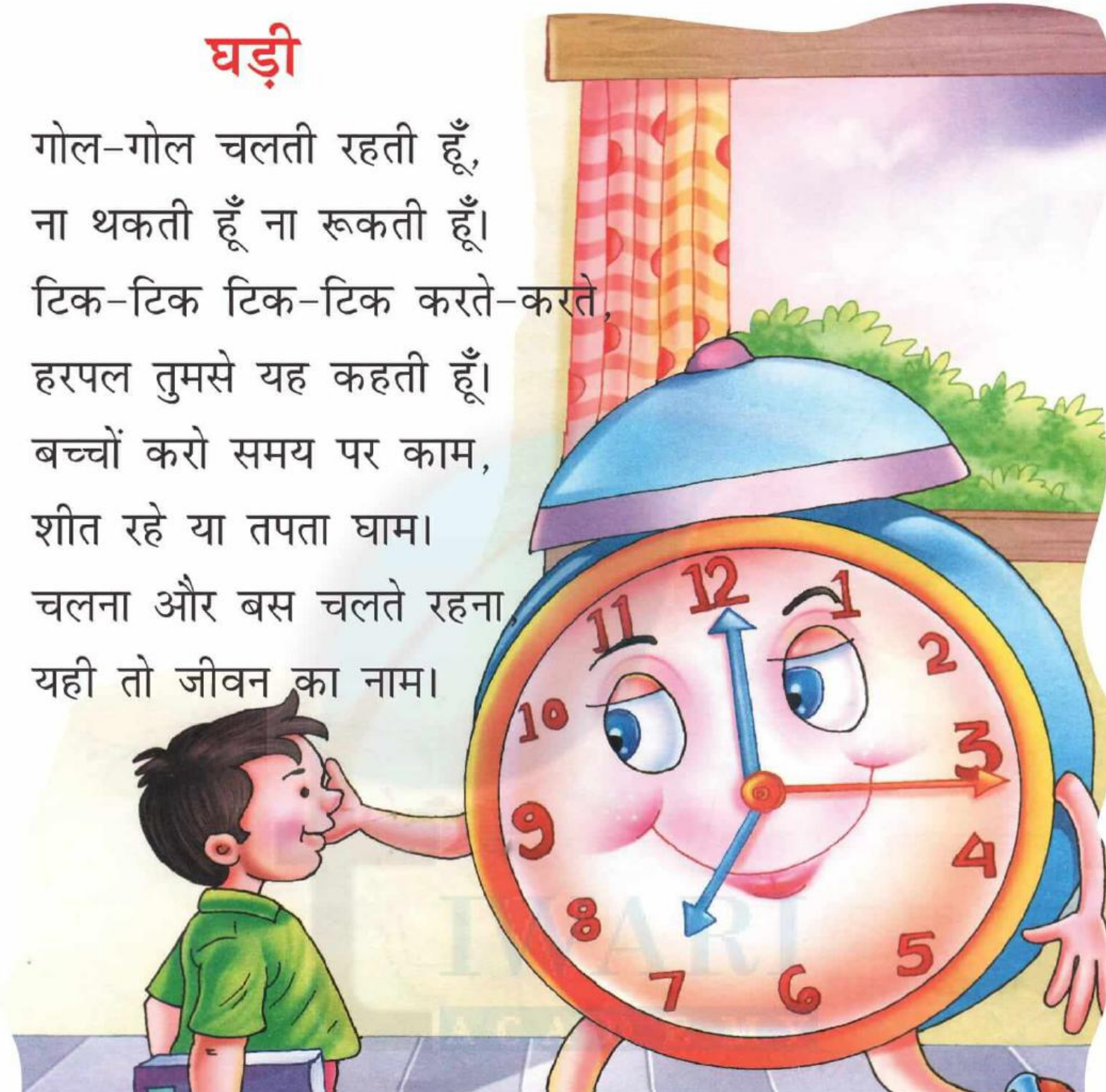

एक-एक

एक-एक यदि पेड़ लागओ,
तो तुम बाग लगा दोगे।
एक-एक यदि ईंटें जोड़ो,
तो तुम महल बना दोगे।
एक-एक यदि पैसा जोड़ो,
तो बन जाओगे धनवान।
एक-एक यदि अक्षर पढ़ लो,
तो बन जाओगे विद्वान।

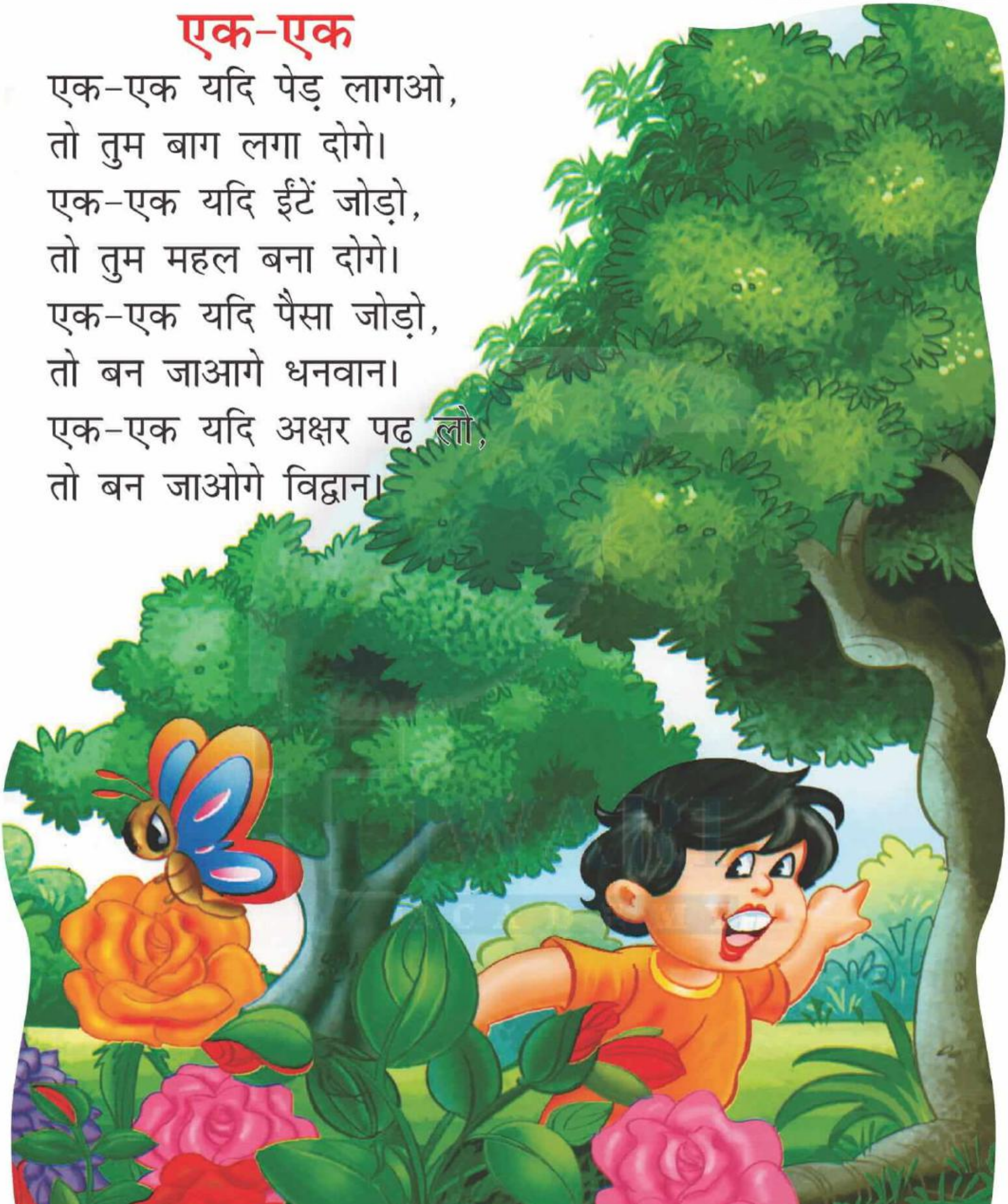

छुक-छुक रेलगाड़ी

गाड़ी कहती छुक-छुक-छुक
धुआँ उड़ाती फुक-फुक-फुक।
इंजन जाए आगे-आगे,
पीछे-पीछे डिब्बे भागे।
सुरंग में ये जब जाते,
दिन को ये रात बनाते।
छुक-छुक करते गाती जाती,
सीटी भी यह खूब बजाती।

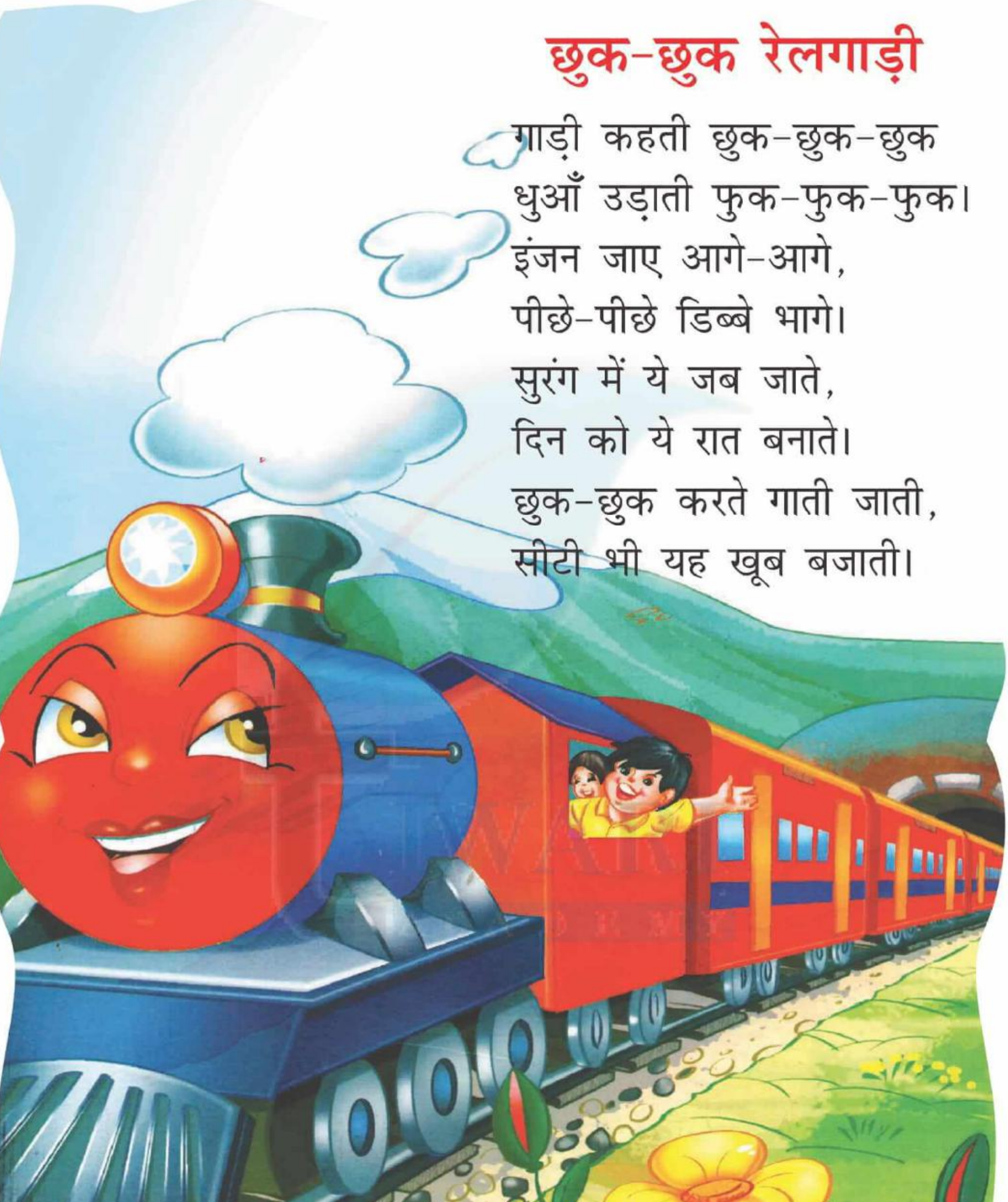

लाल टमाटर

गोल–गोल ये लाल टमाटर,
होते जैसे गाल टमाटर,
खून बढ़ाता लाल टमाटर,
फुर्ती लाता लाल टमाटर।
स्वास्थ्य बढ़ाता लाल टमाटर,
मस्त बनाता लाल टमाटर।
हम खाएँगे लाल टमाटर,
बन जाएँगे लाल टमाटर।

जन्मदिन

मम्मी तुम जाओ बाजार,
मुझको लाकर दो उपहार।
मेरे मित्र ने मुझे बुलाया,
उसका जन्मदिन है आया।
उसको अच्छे लगते खिलौने,
नन्हीं गुड़िया, गुड्डे बौने।
या तुम लाना छोटी कार,
मम्मी तुम जाओ बाजार।

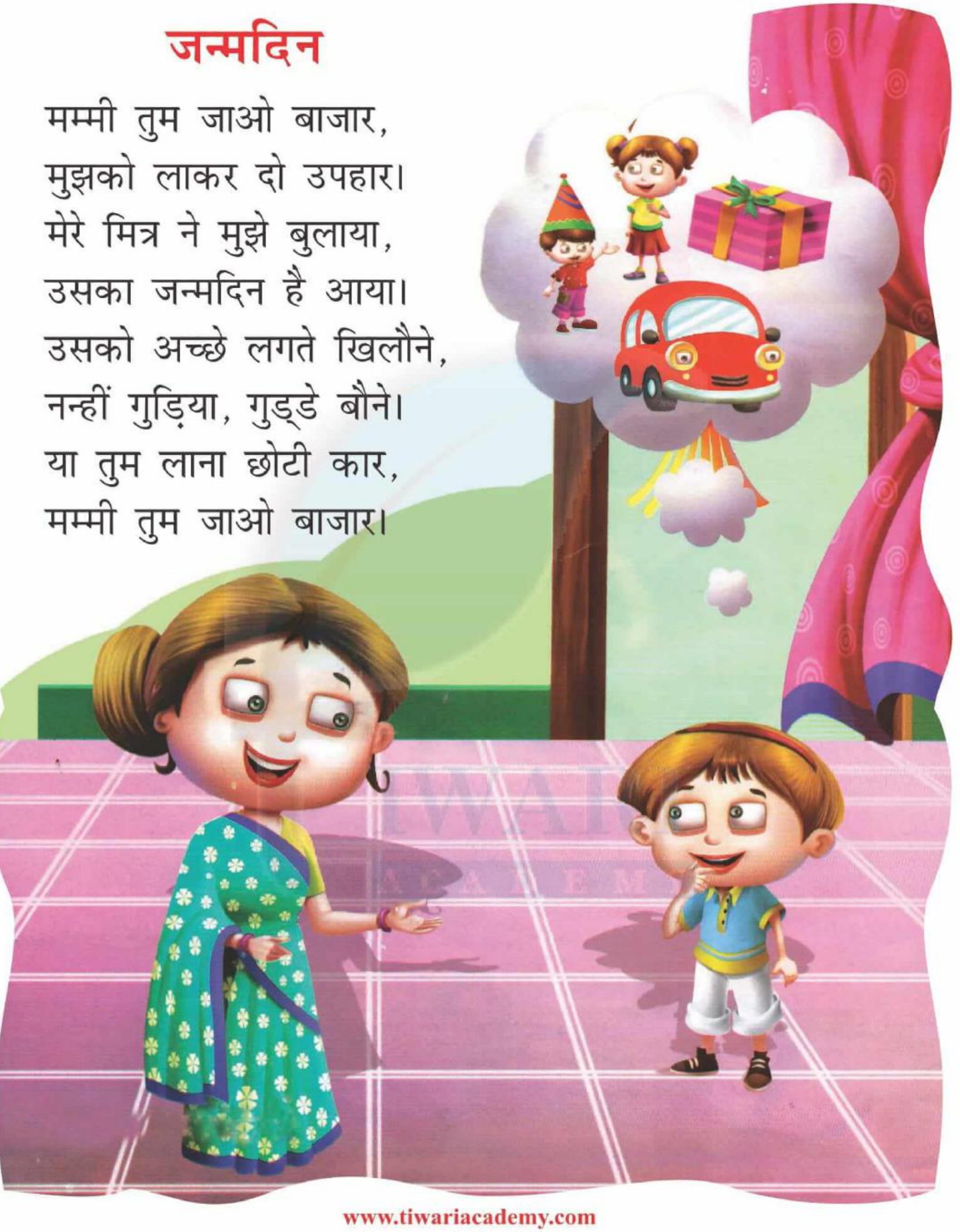

मुन्ना राजा

मुन्ना राजा, सो जा,
लाल, पलंग पर सो जा।
मम्मी–डैडी आएँगे,
खेल–खिलौने लाएँगे।
एक खिलौना टूट गया,
मुन्ना राजा रूठ गया।
नया खिलौना लाएँगे,
मुन्ने को मनाएँगे।

चुहिया रानी

चुहिया रानी, चुहिया रानी,
लगती हो तुम बड़ी सयानी।
जैसे हो इस घर की रानी,
तभी तो करती हो मनमानी।
कुतर-कुतर सब कुछ खा जाती,
आहट सुन झट से छुप जाती।
जब भी बिल्ली मौसी आती,
दुम दबा कर बिल में घुस जाती।

तितली रानी

तितली रानी! इतने सुंदर,
पंख कहाँ से लाई हो?
क्या तुम कोई शहजादी हो,
परी लोक से आई हो।
फूल तुम्हे भी अच्छे लगते,
फूल हमें भी भाते हैं।
वो तुमको कैसे लगते हैं,
जो फूल तोड़ ले जाते हैं।

मेरी गुड़िया

मेरी गुड़िया रानी है,
लगती सबको सयानी है।
गोरे-गोरे गाल हैं,
लंबे-लंबे बाल हैं।
आँखें नीली-नीली हैं,
साड़ी पीली-पीली है।
पड़ा गले में हार है,
मुझको इससे प्यार है।

बगीचा

क्यारी-क्यारी दमक रहे हैं,
फूल गगन के तारों-से।
हरी साड़ी पर टँके हुए,
सलमे और सितारे-से।
फूले गेंदा, नरगिस, बेला,
अपनी ही धुन में मतवाले।
जूही, चंपा और चमेली,
डाल-डाल पर झूला डाले।

विनती

छोटे बच्चे हम नादान,
पूजा करते हैं भगवान।
फूल हमारे तुम रख लेना,
हमको बल-बुद्धि दे देना।
हमें बड़ा जल्दी कर देना,
पढ़-लिख कर हम बनें महान।
आएँ अपनी माटी के काम,
विनती सुन लो हे भगवान!

चंदा

एक चमकीला मटका है,
आसमान में लटका है।
रातों में आ जाता है,
और सुबह खो जाता है।
देता सबको उजियारा,
करता जगमग जग सारा।
बोलो बच्चो, यह क्या है?
अरे! यही तो चंदा है।